नोएडा संस्करण

वर्ष-११, अंक -194 मंगलवार, ०५ जनवरी, २०२१ पुष्ट 12

मुल्य ३ रू*

नोएडा, लखनऊ, झांसी और देहरादून से प्रकाशित

For epaper → www.updainikbhaskar.com

2665HZCD देश का सबसे विश्वसनीय अखबार



06) नये सुपरस्प्रेडर ने बढ़ायी चिंता

Leave No One Behind

एसडीजी आंदोलन का समर्थक होना हमारे लिए गौरव की बात है























सबका साथ सबका विकास

सबका विश्वास

सार संक्षेप

सौरव गांगुली की हालत स्थिर : चिकित्सक

कोलकाता। दिल का 'हल्का' दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली का उपचार कर रहे चिकित्सकों ने रविवार को कहा कि उनकी हालत स्थिर है। शनिवार को गांगुली के हृदय की तीन धमनियों में अवरोध पाया गया था, जिसके बाद एक में स्टेंट लगाया गया था। गांगूली जिस निजी अस्पताल में भर्ती हैं, वहां से रविवार देर रात जारी बुलेटिन में कहा गया है, '' गांगुली की कोरोनरी एंजियोग्राफी दोपहर तीन बजे की गयी और उनकी इकोकार्डियोग्राफी कल फिर की जाएगी।" इसमें बताया गया है कि गांगुली का रक्तचाप 110/80 है तथा उनके शरीर में ऑक्सीजन का स्तर 98 फीसदी है

राहुल और प्रियंका ने सरकार पर लगाया 'क्रुरता का व्यवहार' करने का आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सरकार एवं किसान संगठनों के बीच नए दौर की बातचीत से पहले सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार सर्दी एवं बारिश के बीच सड़कों पर बैठे किसानों के प्रति क्रूरता का व्यवहार कर रही है। राहल गांधी ने टवीट किया, 'सर्दी की भीषण बारिश में टेंट की टपकती छत के नीचे जो बैठे हैं सिकुड़-ठिठुर कर, वो निडर किसान अपने ही हैं, ग़ैर नहीं। सरकार की क्रूरता के दृश्यों में अब कुछ और देखने को शेष नहीं।' ाप्रयका न टवाट कर आराप लगाया 'सरकार एक तरफ तो किसानों को बातचीत के लिए बुलाती है दूसरी तरफ इस कड़कड़ाती ठंड में उन पर आंसू गैस के गोले बरसा रही है। इसी अड़ियल और क्रूर व्यवहार की वजह से अब तक लगभग 60 किसानों की जान जा चुकी है।'

भारत में कोविड-१९ के १६,५०४ नए मामले

नई दिल्ली। भारत में लगातार तीसरे दिन कोविड-19 के 20 हजार से कम नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 1,03,40,469 हो गए, जिनमें से 99.46 लाख से अधिक लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। वहीं नमूनों के संक्रमित आने की दर भी गिरकर 5.89 प्रतिशत हो गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार देश में एक दिन में कोविड-19 के 16,504 नए मामले सामने आए।

कोविड-19

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा..

बड़ा टीकाकरण कायक्रम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने औषधि नियामक द्वारा दो टीकों के सीमित आपात इस्तेमाल को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद सोमवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस को काबू करने के लिए दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू होने वाला है। उन्होंने 'भारत में निर्मित' टीकों के लिए वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश को उन पर गर्व है।

मोदी ने कहा, भारत में दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम शुरू होगा। इसके लिए, देश को अपने वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों के योगदान पर गर्व है। मोदी ने राष्ट्रीय माप पद्धति सम्मेलन में वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि 'भारत निर्मित'' उत्पादों की न केवल वैश्विक मांग हो, बल्कि



किसी उत्पाद की गुणवत्ता उसकी मात्रा जितनी ही महत्वपूर्ण है। 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कदम बदाने के साथ-साथ हमारे मानक भी ऊंचे होने चाहिए। - नरेंद्र मोदी

उन्होंने कहा, किसी उत्पाद की गुणवत्ता उसकी मात्रा जितनी ही

कदम बढाने के साथ-साथ हमारे मानक भी ऊंचे होने चाहिए। महत्वपर्ण है। 'आत्मनिर्भर भारत' के उल्लेखनीय है कि भारत के औषि उनकी वैश्विक स्वीकार्यता भी हो। लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में नियामक ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों की प्रशंसा की

औषधि नियामक द्वारा दो टीकों के सीमित आपात इस्तेमाल को मंजूरी

इंडिया द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड कोविड-19 टीके 'कोविशील्ड' और भारत बायोटेक के स्वदेश में विकसित टीके 'कोवैक्सीन' के देश में सीमित आपात इस्तेमाल को रविवार को मंजूरी दे दी, जिससे व्यापक टीकाकरण अभियान का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

सरकार-किसानों की बैठक बेनतीजा

नई दिल्ली। दिल्ली में कड़ाके की ठंड के बीच पिछले सवा महीने से किष काननों के खिलाफ किसानों का आंदोलन जारी है। बारिश और ठंड के बीच दिल्ली की सीमाओं पर डटे किसानों की आज एक बार फिर से सरकार के साथ बैठक हुई। अब अगली बैठक 8 जनवरी को होगी।बता दें कि पिछली बातचीत में सरकार ने किसानों की दो बातें मान ली थी- बिजली संशोधन विधेयक 2020 और पराली जलाना जुर्म नहीं। फिलहाल, किसान संगठन के नेता विज्ञान भवन पहुंच चुके हैं और कुछ देर में वार्ता शुरू होगी।

किसानों और सरकार के बीच सोमवार दोपहर से चल रही बैठक खत्म हो गई। एक बार फिर से आठ जनवरी को बैठक होगी। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि कानूनों की वापसी के अलावा कुछ भी मंजूर नहीं है। किसान नेताओं और सरकार के मंत्रियों के बीच हो रही सातवें दौर की बातचीत के दौरान सरकार ने दो टूक कहा है कि वह तीनों कृषि कानूनों को रद्द नहीं कर सकती है। कृषि काननों पर सरकार से बातचीत के लिए किसान नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल विज्ञान भवन पहुंचा। एक किसान नेता ने कहा कि हमें उम्मीद है कि नए साल में इस बैठक में एक सफलता मिलेगी।

सभी मुद्दों पर करेंगे चर्चा

किसानों के साथ आज की वार्ता से पहले केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि हम आज एक सकारात्मक समाधान पाएंगे। हम बैठक में सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे। किसानों और सरकार के बीच आज सातवें दौर की वार्ता होनी है। सरकार के साथ इस बातचीत के लिए किसान नेता विज्ञान भवन के लिए



फिर बैठक 8 जनवरी को, आंदोलन जारी

रवाना हो गए हैं। बता दें कि अब से कुछ देर बाद यानी दोपहर 2 बजे विज्ञान भवन में बातचीत शुरू होगी। सरकार के साथ बातचीत से पहले किसान मजदर संघर्ष कमेटी के संयुक्त सचिव सुखविंदर एस सब्रा ने कहा कि हमारी मांगें पहले की तरह ही तीन कृषि कानूनों को रद्द करने और एमएसपी की गारंटी देने की हैं। अगर हमारी मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो हम 6 जनवरी को और 26 जनवरी को टैक्टर मार्च करेंगे। भारतीय किसान यनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि कई मुद्दों पर चर्चा होनी है। सरकार को समझना चाहिए कि किसानों ने इस आंदोलन को अपने दिल से लगा लिया है और कानूनों को निरस्त करने से कम पर वे कुछ नहीं मानेंगे। स्वामीनाथन की रिपोर्ट को लाग करना चाहिए और एमएसपी पर कानून बनाना चाहिए। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और पीयूष गोयल सरकार का नेतृत्व करेंगे, जबिक किसान यूनियन के 40 नेता वार्ता में किसानों का प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे पहले 30 दिसंबर को किसानों और केंद्र के बीच छठे दौर की वार्ता हुई थी जहां कुछ चीजों लेकर उनकी रजामंदी हुई थी।

बारिश के बाद दिल्ली में छाया घना कोहरा

नई दिल्ली। पश्चिमी विक्षोभ के

चलते हिमाचल प्रदेश के जनजातीय लाहुल स्पीति और किन्नौर जिले में रूक रूक कर हो रहे हिमपात से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। कई स्थानों पर भारी हिमपात के चलते राष्ट्रीय राजमार्गों के सम्पर्क मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं। वहीं बिजली और पानी की सप्लाई बंद हो गई है। लोग घरों में कैंद हो गए है। इस कारण से मैदानी इलाके में भी ठंड बढ़ गई है। किन्नौर में राष्ट्रीय राजमार्ग-5 पर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल नाको के पास मलिंग नाले में भस्खलन होने की सचना है। बर्फबारी के बाद सड़क पर चट्टानें गिरने के कारण मार्ग आवाजाही के लिए अवरुद्ध हो गया है और सैंकड़ों वाहन फंस गए है। दोनों ओर से गाड़ियों की लगी लंबी कतार लगी हैं। दसरी ओर अधिंक ठंड होने के कारण आसपास खाने-पीने का साधन ना होने से वाहनों में फंसे लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। भूस्खलन से जिला लाहुल-स्पीति के काजा उपमंडल समेत किन्नौर के कई गांव का संपर्क सड़क मार्ग से देश से कट गया है। हालांकि बीआरओ की ओर से मार्ग को बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्लास्टिक रीसाइक्लिंग प्रक्रियाओं में सबसे सरल संग्रह, छंटाई, कतरन शामिल हैं

योगी सरकार का ऐलान

मृतकों के परिजनों को मिलेगा १० लाख का मुआवजा

भास्कर न्यूज

मुरादनगर। क्षेत्र के श्मशान घाट पर हुए हादसे में मृतक के परिजनों को योगी सरकार ने दस लाख मुआवजा देने का ऐलान किया है। योग्यता के आधार पर नौकरी का भी वादा किया गया है, वहीं घायलों का प्राइवेट अस्पताल में फ्री में इलाज को कहा गया है।

बता दें कि आज सुबह से ही ग्रामीणों ने शव रखकर जाम लगा दिया था। वे मुख्यमंत्री को बुलाए जाने की मांग पर अड़े थे। इसके बाद अधिकारियों ने परिवार के साथ वार्ता की। लखनऊ से मिले निर्देश के बाद गाजियाबाद के एडीएम सिटी शैलेंद्र सिंह ने मुआवजा देने का ऐलान किया। इस मामले में आज सुबह ईओ निहारिका सिंह, जेई सीपी सिंह, सुपरवाइजर आशीष को गिरफ़्तार किया गया, जबकि ठेकेदार अजय त्यागी को पकड़ने के लिए दिबश जारी है।

मुरादनगर में मृतकों के परिजनों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा लिया। वहां सैकड़ों की संख्या में लोग जुट गए। इसके बाद पुलिस प्रशासन ने उन्हें समझाना चाहा। इस पर लोग भड़क गए। पुलिस से कहा कि पहले हमें गोली मार दो फिर शव ले जाओ। मुरादनगर में मृतकों के परिजनों के प्रदर्शन के चलते मेरठ तिराहे से मुरादनगर तक भीषण जाम लग गया है। यह जाम मेरठ की सीमा तक पहुंच गया। जाम के चलते राजनगर एक्सटेंशन से मुरादनगर की तरफ जाने वाले वाहनों पर पाबंदी लगा दी गई है। इसी के चलते रूट

डायवर्जन किया गया। मुरादनगर बंबा मार्ग पर स्थित श्मशान घाट के पास रविवार को जयराम 72 के अंतिम संस्कार के लिए परिवार और आस-पड़ोस के लोग आए थे। अंतिम संस्कार के बाद लोग जाने ही वाले थे। इससे पहले ही छत गिरने से यह हादसा हो गया। हादसा अचानक हुआ कि इसमें चीख-पुकार भी नहीं सुनने को मिली। वहां मौजूद घायलों का कहना है कि जो लोग लेंटर में दब गए उनकी आवाज नहीं सुनी और जो बच गए वह सदमें में हैं। घायल लोगों ने अपने नजदीकि लोगों को फोन करके बुलाया, हादसे के करीब एक घंटे बाद वहां एंबुलेंस पहुंचनी शुरू हो गई। इससे पहले मलबे में दबे कुछ लोगों को निकालकर नजदीक के अस्पताल में पहुंचाया गया। इसके बाद



श्मशान हादसे में ईओ समेत तीन गिरफ्तार

मुरादनगर। श्मशान हादसे के लिए जिम्मेदार नगरपालिका की ईओ निहारिका सिंह, सुपरवाइजर आशीष और जेई चंदपाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ई राजा के मुताबिक तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर हादसे के संबंध में विस्तार से पुछताछ की गई। इसके बाद इन्हें देर रात गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि इनके अलावा ठेकेदार की अभी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि इन सभी आरोपियों के खिलाफ रविवार को ही मृतक जयराम के बेटे ने मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक रात में हुई पूछताछ के दौरान सामने आया है कि नगर पालिका के अधिकारियों को हादसे का पहले से अंदेशा था। इन सभी को पता था कि निर्माण सामग्री बेहद घटिया गुणवत्ता वाली है। लेकिन ठेकेदार के साथ मिलीभगत और उसकी हनक में ये अधिकारी चुप्पी साधे रहे। यहां तक कि जब घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाकर काम रोका गया था तो इन्हीं अधिकारियों ने ठेकेदार का बचाव किया और शिकायत की जांच आगे नहीं बढ़ने दी।

क्षेत्राधिकारी सदर करेंगे जांच

मुरादनगर कोतवाली पुलिस ने तहरीर के अधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पहला पर्चा कोतवाल ने काटा है। लेकिन मामले की जांच क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा की जाएगी। इसलिए मामले की विवेचना संबंधी आगे की सभी कार्रवाई अब क्षेत्राधिकारी खुद करेंगे। वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक ने जांच का निरीक्षण एसएसपी को खुद करने या फिर एसपी ग्रामीण को लगाने

जेसीबी की सहायता से दीवार को हटाकर वहां दबे लोगों को निकाला गया। परिजनों के अनसार करीब 50 से ज्यादा लोग मौके पर थे। दोपहर करीब दो बजे जिला एमएमजी अस्पताल में एंबुलेंस घायल को लेकर पहुंचने लगी, उसमें से सभी मृतक थे। इमरजेंसी

अधिकांश मरीजों को मृत घोषित कर दिया। बता दें करीब 15 मतकों के शव एक घंटे में अस्पताल में **रहुंच गए। मृतकों के परिजन** एव उम्मीद के साथ अस्पताल में पहुंचे थे कि घायल के उपचार के बाद वापस ले जाएंगे, लेकिन एंबुलेंस से नीचे उतरते ही वह मृत अवस्था में मिल रहे। ऐसे में अधिकांश परिजन अस्पताल में ही सदमें में बैठ गए। अस्पताल परिसर में ही कोहराम मच गया था। घटना के बाद लगातार सभी अस्पतालों से एंबुलेस मौके पर पहुंच गई थी। करीब 20 से ज्यादा एंबुलेंस में मृतक और घायलों को अस्पताल में भेजा गया था। इसमें कुछ लोग निजी कार और बस में बैठकर अस्पताल पहुंचे थे। मेरठ में रहने वाले जयवीर सिंह (50) पूरी तरह से मलबे में दबे थे और उनके केवल गर्दन ही बाहर थी। उन्हें मलबे से निकालकर सर्या अस्पताल भेजा गया। उनके साथ उनके भतीजे भी थे। सूरज ने बताया कि अस्पताल में करीब एक घंटे तक जयवीर को कोई उपचार नहीं मिल सका।

में पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने

के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री यदि बाहरी हैं तो बंगाल में भीतरी कौन है: अनुराग टाकुर

राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को 'बाहरी और भीतरी' व्यक्ति के मुद्दे पर हो रही बहस को लेकर तृणमूल कांग्रेस पर हमला

रहा है तो किस स्थान के लोगों को भीतरी माना जाएगा? ठाकुर ने पश्चिम बंगाल को देश का एक अहम हिस्सा बताते हुए पूछा कि केंद्रीय मंत्री का राज्य के दौरे पर आना क्या अपराध है? यहां नेताजी

कोलकाता। केंद्रीय वित्त बोला और कहा कि यदि केंद्रीय मंत्री को पश्चिम बंगाल में बाहरी कहा जा

सुभाषचंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''पश्चिम बंगाल आने वाले भारत सरकार के मंत्री को यदि बाहरी कहा जाता है तो मैं पूछना चाहता हूं कि किस स्थान के लोगों को भीतरी माना में चुनाव होने हैं।



यहां के एक निजी अस्पताल में भर्ती बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को देखने आए थे। उन्होंने कहा कि बंगाल ने देश को कई क्षेत्रों में विलक्षण

गांधी कला

नोएडा में

आयोजन

जिसमें

स्वच्छता

के विषय में

जानकारी

दी गई।

किया गया,

ऐसा ही

एक

केंद्र

प्रतिभाएं दी हैं। वहीं भारत के सभी हिस्सों से लोग राज्य में आकर बसे और यहां के विकास में योगदान दिया। उन्होंने उस विमर्श पर सवाल उठाए जिसके चलते देश के अन्य लोगों पर इस तरह का ठप्पा लगाया जाता है। उन्होंने पूछा कि क्या इस तरह की विचारधारा को पनपने देना चाहिए। ममता बनर्जी नीत तृणमूल ने आरोप लगाया था कि राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए भाजपा 'बाहरी' लोगों को ला रही है। गौरतलब है कि राज्य में अप्रैल-मई

नोएडा। भारत सरकार के स्वच्छ भारत अभियान में यूफ्लेक्स का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। यह प्रयास निरंतर जारी है, जिसके मद्देनजर यूफ्लेक्स के द्वारा कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन किया जाता रहा है। इंदिरा गांधी कला केंद्र, नोएडा में ऐसा ही एक आयोजन किया गया, जिसमें स्वच्छता के विषय में जानकारी दी गई। प्लास्टिक अपशिष्ट का पुनर्चक्रण (घर और बाहर का अपशिष्ट) पुनर्चक्रण संयंत्र मल्टीलेयर्ड पैकेजिंग और पीईटी बोतलें, साथ ही पुनर्चक्रण संयंत्र क्षमता के विषय में भी बताया गया। मिश्रित प्लास्टिक फिल्म के टुकड़े या एमएलपी 10100 मीट्रिक टन प्रति वर्ष होता है। साथ ही 10 पीईटी बोतलें, 10700 मीट्रिक टन प्रति वर्ष

उत्पन्न प्लास्टिक प्रक्रिया अपशिष्ट को



स्वच्छ भारत अभियान के तहत यूफ्लेक्स का योगदान सराहनीय

पनर्नवीनीकरण करके उसे बहुत कुशलता से व्यवहार किया जाता है। उन्हें ग्रैन्यूल में परिवर्तित करना होता है। प्लास्टिक को पुनर्चिक्रत करने का लक्ष्य डालते समय प्लास्टिक प्रदूषण की उच्च दर को कम करना है। इसके तहत नए प्लास्टिक उत्पादों का उत्पादन करने के

यह दृष्टिकोण संसाधनों को संरक्षित करने में न केवल मदद करता है, बल्कि लैंडफिल से प्लास्टिक को हटाता भी है। प्लास्टिक रीसाइक्लिंग प्रक्रियाओं में सबसे सरल संग्रह, छंटाई, कतरन शामिल हैं, जबिक धोने, पिघलने, और

दिनेश जैन को मिला प्रशंसा प्रमाण पत्र

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु माहेश्वरी ने स्वच्छ भारत अभियान में यूफ्लेक्स के प्रयासों को न केवल सराहा, बल्कि यूफ्लेक्स के दिनेश जैन, प्रेसिडेंट (लीगल डिपार्टमेंट) को प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित भी किया। सीईओ ने कहा, स्वच्छता की अवधारणा को समृद्ध और बढ़ावा देने के लिए अभिनव और टिकाऊ व्यवसाय के क्षेत्र में युफ्लेक्स का सराहनीय योगदान रहा है। ये ही प्रयास नोएडा को एक स्वच्छ और सतत शहर के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग कर रहा है। कोविड-19 के समय लोगों के जीवन को टिकाऊ बनाने के उनके प्रयास सराहनीय हैं। हम उन्हें उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

अलग-अलग होती हैं। प्लास्टिक रॉल या प्लास्टिक उत्पाद के प्रकार अलग-अलग हैं। हमारे संयंत्र डिजाइन परिष्कृत अल्ट्रामॉडर्न ड्राइव आधारित, पीएलसी नियंत्रित के रूप में (प्रोग्रामेबल लॉजिक कंट्रोल) मशीनें हैं। हम अपनी प्रक्रियाओं

प्लेटिंग जैसी वास्तविक विशेष प्रक्रिया के पानी को बर्बाद नहीं करते हैं। हमारा प्रवाह उपचार संयंत्र के माध्यम से पुनः उपयोग किया जाता है। प्लॉन्ट का पर्यावरण लगभग 30 डिग्री से 40डिग्री तक बना रहता है। कुछ प्रक्रियाओं में पानी के स्क्रबर के माध्यम से लगभग 4000 सेमी धुआं समाप्त हो जाता है।